भजन

तर्ज–होठों से छू लो तुम

माया मे मिले हो तुम ,माया से पार कर दो
आत्म के धनी हो तुम,अब मांग मेरी भर दो

1–माया है छल वाली,पा अपनी रखना
पांव न फिसल जाए,शफकत अपनी भरना
इक जाम पिला कर के,मदहोश मुझे कर दो

2–मैं अंगना हूं तेरी,तुम धाम धनी मेरे
मैं लहर हूं सागर की,तुम साहिल हो मेरे
एक विनती है वल्लभा,खोल नैन अकं भर लो

3–चन्द सांस जो है बाकी,बीते तेरे चरणो में
जीना तेरे चरणो में,मरना तेरे चरणो में
अब और न कुछ भाए,यही आस पूरण कर दो